यीशु की तरह नए अगुवों को शिक्षा दो

जिस प्रकार पिता ने पुत्र को पुनः उत्पन्न किया वैसे ही नए अगुवों को पुनः उत्पन्न करें।

जो बच्चो को पढ़ाते हैं वह टी 3 बी का अध्ययन करें।

1. प्रार्थना और वचन से नए अगुवो को शिक्षा के लिए तैयार करे।

प्रार्थनाः स्वर्गीय पिता, आपके पुत्र यीशु ने नए अगुवो को शिक्षा देकर हमे रास्ता दिखाया कि हम कैसे करें। उसके प्रेरित पौलुस ने भी हमे बताया कि यह कैसे कर सकते है। कृपा हमें ताकत और योग्यता दे कि हम भी नये अगुवों को प्रशिक्षण दे ताकि वह नई कलिसियाओ और छोटे समूह की सेवा कर सकें।

मरकुस अध्याय 6:1-6 में ढूंढे कि जब यीशु ने लोगो के बड़े झुण्ड को सिखाया तो क्या हुआ।

- लोगो ने यीशु के वचन का क्या उत्तर दिया(उन्होंने आश्चर्यपूर्वक सुना-पद 2)
- यीशु को सुनने के बाद कुछ लोगो ने कैसा जवाब दिया (कुछ ने असन्तोष से पद 3)अविश्वास से पद 6

मरकुस अध्याय 6:7-13 में ढूंढे कि यीशु ने नए अगुवो को छोटे समूह में कैसी शिक्षा दी।

- प्रशिक्षण समूह कितना बड़ा था (कुल बारह, दो का छोटा समूह-पद 7)
- यीशु ने अपने सीखने वालो के साथ क्या किया (उसने उनको अपना काम करने का अधिकार दिया पद 7 और यह समझाया कि वह अपना काम कैसे करे पद 8)
- यीशु के सीखने वाले कितनी जल्दी दूसरों के चारवाहें बन गए (तुरन्त-पद-12)
- अपनी पहली यात्रा पर यीशु से सीखने वालों ने कैसा काम किया (धर्मप्रचार, चंगाई)
- क्या यीशु ने सीखने वाले की आर्थिक सहायता की (नहीं, उसने कुछ भी सामान)साथ न ले जाने को कहा पद8
- यीशु के सीखने वाले कहाँ प्रचार करते थे और उन्होने क्या सीखा (गाँवो में, घरों में)

मरकुस अध्याय 6:30-32 में ढूढें कि जब यीशु के सीखने वाले वापस आए तो क्या हुआ।

- यीशु के सीखने वालो ने उसको क्या बताया (जो कुछ उन्होंने किया और सिखाया)
- यीशु के सुनाने के बाद वह सब कहाँ चले गए (वह एकान्त मे विश्राम करने चले गए)

यीशु के प्रशिक्षण विधि के पाँच सिद्धान्त

- बड़े समूह को पढ़ाना काफी नहीं है। तुमको छोटे समूह को भी शिक्षा देनी चाहिए और हर सीखने वाले को उसके झुण्ड के विवरण को सुनना कि वह क्या कर रहा है।

- अपने जनसमूह को शिक्षा दो जो अपनी शिक्षा को तुरन्त सक्रिय काम में लगा सकें।
- अपने सीखने वालो को काम करने के अधिकार दो और उनको बताओ कि कहाँ और कैसे काम करना है।
- जब वह कुछ काम कर ले, तो उनके विवरण को सुनो कि उन्होंने क्या किया और क्या कहा।
- कभी-कभी काम करने वालो को बाहर ले जाया करो जहाँ वह आराम कर सके और ज्यादा सीख सकें।

2 तिमुथियुस 2:1-2 में ढूढिएं कि कौन किसको शिक्षा दे सकता है।

- पौलुस का तिमुथियुस के साथ सम्बन्ध का वर्णन करो।
- (यह एक पिता की तरह था जो अपने बेटे को शिक्षा देता है)
- पौलुस ने किसको शिक्षा दी?
- (तिमुथियुस और दूसरे बहुत तथा सिलास और तीतुस भी)
- तिमुथियुस ने किसको शिक्षा दी? (वफादार काम करने वालो को)
- वह कौन से वफादार काम करने वाले थे जिन्हे शिक्षा देनी थी(दूसरे भी)
- शिक्षा की जंजीर में कितने जोड़ थे?
- (चारः पौलस, तिमुथियुस, वफादार लोग और दूसरे)

कुलुस्सियो अध्याय 1:1-9 तथा अध्याय 4:15-18 में ढूढें कि पौलुस ने नए अगुओ को कैसे शिक्षा दी

- पौलुस का मुख्य सीखने वाला कौन था (तिमुथियुस पद 1)
- पौलुस और तिमुथियुस ने सह-कर्त्ता के रूप में किसको सिखाया
- (इपफ्रास-पद 7)
- कुलुस्सि में विश्वासियों को किसने पढ़ाया
- (इपफ्रास, पद 7 उसने कुलुस्सि को उनकी और जरूरतों का विवरण तिमुथियुस और पौलुस को दिया)
- पौलुस और तिमुथियुस ने कुलुस्सि वासियो की सेवा लिखने के अलावा और कैसे की (उन्होने उनके लिए प्रर्थना की)

पौलुस की शिक्षा विधि से छः सिद्धान्त

- शिक्षा देने वाले और नए अगुवे में पिता-पुत्र का सम्बन्ध होना चाहीए। आप अपने समाज में इस सम्बन्ध को क्या कहेंगें।
- ज्यादा अनुभव वाले अपनी कलीसिया में या नई कलीसिया में नए अगुवो को प्रशिक्षण दें।
- जिन्होने शिक्षा प्राप्त कर ली है वह दूसरे नए अगुवो का तुरन्त शिक्षा दे सकते हैं।
- नए सीखने वाले को मुख्य योग्यता वफादारी है ताकि वह अपनी शिक्षा को व्यवहारिक रूप से प्रयोग कर सके
- सीखने वाला अपने सीखाने वाले के बारे में जाने कलीसिया के बारे मे जाने और उनके लिए प्रार्थना करे।
- शिक्षक, शिक्षा- सामग्री को लिखे ताकि कलीसिया और अगुवों की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

2. **आने वाले सप्ताह को गतिविधियों को योजना सहकर्त्ता के साथ बनाए।**

सीखने वाले नए अगुओं को शिक्षा का प्रबन्ध करे और इस अध्ययन को एक प्रति उनको दे।

परिवार के मुखिया से मिले; उनके घर में शिक्षा प्रारम्भ करे और परिवार की निगरानी में प्रार्थना और आराधना से एक गड़रिए की तरह काराएँ।

जहाँ वचन का प्रचार हो वहाँ विचार-विमर्श करें और देखे कि कौन समुह को अगुवाई कर सकता है।

अपने सीखने वाले समूह की जरूरतों को मालूम करो और उनकी सहायता के लिए छोटे अध्ययन लिखे।

अध्ययन वहाँ रखे जहाँ आसानी से मिल जाए और उनको दूसरे कार्यकर्ता के साथ बाटिए।

3. अपने सहकर्ता के साथ आने वालो आराधना की योजना बनाए।

व्याख्या करें यीशु ने नए अगुवो को कैसे शिक्षा दी। (बाइबल के पदो और प्रश्नों को इस्तेमाल करो)

वर्णन करो कि पौलुस और तिमुथियुस ने नए अगुओ को कैसे प्रशिक्षण दिया। हम इसें कैसे कर सकते है, विचार करें।

बच्चो ने जो तैयारी की है वह प्रस्तुत करें।

कार्यकर्ता जो नए अगुवों को प्रशिक्षण दे रहें, अपनी उन्नति और ज़रूरतों का विवरण दें।

प्रभु भोज के परिचय के लिए गिनती अध्याय 9:1-2 पढ़े और व्याख्या करें।

- परमेश्वर का अपने लोगों को गुलामी से आज़ाद कराने के एक वर्ष बाद नए चरवाहों ने लोगों को फसल का पर्व मनाने में अगुवाई की, इस याद में कि कैसे मेमने के लहू द्वारा उनके पहलौठे बचाए गए।
- यीशु ने इस त्योहार को नया अर्थ दिया। वह हमारा फसह के पर्व का मेम्ना है।

दो, तीन और चार के समूह में इकठ्ठा हो, प्रार्थना और योजना बनाने के लिए की चारवाहो और धर्मप्रचारको को दूसरे के लिए कैसे प्रशिक्षित किया जाए।

अध्यापक के नियम याद करें। मेरे जैसे बनो, जैसे मैं मसीह की तरह हूँ (1 कुरिन्थियो 11:1)